कौन वास्तव में नियंत्रण में है—ईश्वर या शैतान?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

यह एक गहरा सवाल है, जिस पर कई लोग सोचते हैं। यदि ईश्वर सब कुछ नियंत्रित करते हैं, तो दुनिया में इतने भयानक हादसे क्यों होते हैं—जैसे जानलेवा कार दुर्घटनाएँ, हवाई जहाज दुर्घटनाएँ, प्राकृतिक आपदाएँ, या जापान जैसी बाढ़ें? यदि ईश्वर सर्वोच्च हैं, तो ऐसे दुखद हालात क्यों होने देते हैं?

इसका उत्तर बाइबिल में प्रकट दो महत्वपूर्ण सत्य को समझने में है:

1. ईश्वर ही पृथ्वी के वास्तविक स्वामी और शासक हैं।

2. शैतान को दुनिया की प्रणाली पर सीमित समय के लिए कुछ प्रभाव दिया गया है।

1. ईश्वर ही पृथ्वी के स्वामी हैं

शुरुआत से ही बाइबिल यह बताती है कि ईश्वर ही पृथ्वी और उसमें मौजूद हर चीज़ के निर्माता और मालिक हैं।

कौन वास्तव में नियंत्रण में है—ईश्वर या शैतान?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

“पृथ्वी और जो कुछ उसमें है, सब यहोवा का है।
संसार और उसमें रहने वाले भी।
क्योंकि उसने इसे समुद्रों पर स्थापित किया
और नदियों पर मजबूत किया।”
— भजन संहिता 24:1-2

यीशु के मृतकों में से जी उठने के बाद उन्होंने कहा:

“स्वर्ग और पृथ्वी में सारी शक्ति मुझे दे दी गई है।”
— मत्ती 28:18

इसका मतलब है कि पृथ्वी पर कोई भी चीज़ ईश्वर की शक्ति से बाहर नहीं है। वे प्रकृति, राष्ट्रों और हर मनुष्य पर सर्वोच्च हैं।

2. शैतान गिराए गए दुनिया की प्रणाली पर शासन करता है

हालाँकि ईश्वर पृथ्वी पर शासन करते हैं, बाइबिल यह भी बताती है कि शैतान के पास वर्तमान में दुनिया की प्रणाली पर अस्थायी सत्ता है। यह ग्रह नहीं, बल्कि मानव समाज की वह प्रणाली है जो ईश्वर को अस्वीकार करती है।

कौन वास्तव में नियंत्रण में है—ईश्वर या शैतान?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

यीशु को प्रलोभन देते समय, शैतान ने उन्हें संसार के राज्य दिखाए:

“फिर शैतान ने उन्हें बहुत ऊँची पर्वत पर ले जाकर संसार के
सभी राज्य और उनकी महिमा दिखा दी, और कहा, ‘यदि तू मेरे सामने गिरकर मुझे पूजा करेगा तो ये सब तुझे दूँगा।’”
— मत्ती 4:8-9

यीशु ने यह नहीं कहा कि शैतान के पास यह शक्ति नहीं है—क्योंकि सीमित रूप में, शैतान के पास यह शक्ति है। प्रेरित यूहन्ना ने पुष्टि की:

“संपूर्ण संसार बुरे के अधीन है।”
— 1 यूहन्ना 5:19

इसलिए, ईश्वर अंतिम शासक हैं, लेकिन शैतान का अस्थायी प्रभाव उस गिराए गए दुनिया की प्रणाली पर है जो ईश्वर के विरोध में है।

कौन वास्तव में नियंत्रण में है—ईश्वर या शैतान?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

3. पृथ्वी और संसार में अंतर

इसे बेहतर समझने के लिए “पृथ्वी” और “संसार” के बीच अंतर जानना ज़रूरी है:

• पृथ्वी
यह ईश्वर के प्राकृतिक सृजन को संदर्भित करती है—महाद्वीप, महासागर, पर्वत, नदियाँ, जानवर, आकाश और सब भौतिक चीज़ें। यह पूरी तरह ईश्वर की है।

• संसार (ग्रीक: कोसमोस)
यह मानव-निर्मित समाज की प्रणालियों को संदर्भित करता है—जैसे सरकारें, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, मीडिया, मनोरंजन और संस्कृति—जो अधिकतर पाप से भ्रष्ट हो चुकी हैं और शैतान के प्रभाव में हैं।

“संसार और संसार की चीज़ों से प्रेम न करो। यदि कोई संसार से प्रेम करता है, तो पिता का प्रेम उसमें नहीं है।”
— 1 यूहन्ना 2:15

शैतान का राज्य अहंकार, वासना, लालच और ईश्वर के विरोध पर

कौन वास्तव में नियंत्रण में है—ईश्वर या शैतान?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

आधारित है। यह प्रणाली नष्ट की जाएगी—पृथ्वी नहीं।

4. ईश्वर दुनिया की भ्रष्ट प्रणाली को नष्ट करेंगे, पृथ्वी को नहीं

पृथ्वी बनी रहेगी और उसे पुनर्स्थापित किया जाएगा, लेकिन वर्तमान भ्रष्ट, अन्यायपूर्ण और ईश्वर विरोधी दुनिया की प्रणाली का न्याय किया जाएगा और उसे हटा दिया जाएगा।

“संसार और उसमें जो इच्छाएँ हैं, वे बीत रही हैं; पर जो ईश्वर की इच्छा करता है, वह सदा रहता है।”
— 1 यूहन्ना 2:17

यीशु जब लौटेंगे, तो वे शैतान की प्रणाली को नष्ट करेंगे और पृथ्वी पर अपना धर्मी राज्य स्थापित करेंगे। इसे मसीह का सहस्राब्दी राज्य कहते हैं, जिसमें वे 1,000 वर्ष शासन करेंगे (देखें प्रकाशितवाक्य 20:4-6)।

5. ईश्वर दुख और आपदाओं की अनुमति क्यों देते हैं?

ईश्वर सर्वोच्च हैं, फिर भी वे कभी-कभी मानव पाप के

कौन वास्तव में नियंत्रण में है—ईश्वर या शैतान?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

परिणामस्वरूप आपदाओं की अनुमति देते हैं। अधिकतर दुःखद घटनाएँ—प्राकृतिक आपदाएँ, रोग, युद्ध—इसलिए होती हैं क्योंकि दुनिया की प्रणाली में बुराई और विद्रोह फैला हुआ है।

“पाप का वेतन मृत्यु है; पर ईश्वर की देन अनन्त जीवन है, जो हमारे प्रभु मसीह यीशु में है।”
— रोमियों 6:23

“हम जानते हैं कि सम्पूर्ण सृष्टि अब तक एक साथ कराहती और पीड़ाएँ सहती है।”
— रोमियों 8:22

जब समाज हिंसा, भ्रष्टाचार, यौन अनैतिकता, अन्याय, पर्यावरणीय विनाश और विद्रोह से भरा हो, तो ईश्वर परिणामों की अनुमति दे सकते हैं—या तो न्याय के माध्यम से, या अपनी सुरक्षा की छत्रछाया हटा कर।

6. हमारे लिए संदेश: स्थायी चीज़ों के लिए जियो

कौन वास्तव में नियंत्रण में है—ईश्वर या शैतान?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

यह दुनिया की प्रणाली अस्थायी है। इसके मूल्य और प्राथमिकताएँ ईश्वर के न्याय में टिक नहीं पाएंगी। मसीह के अनुयायियों के रूप में, हमें सांसारिक तरीकों से अलग होकर उनके अनन्त राज्य के लिए जीने का बुलावा मिला है।

“ऊपर की बातों पर मन लगाओ, न कि पृथ्वी की बातों पर।”
— कुलुस्सियों 3:2

हम अंतिम दिनों में जी रहे हैं, और यीशु के लौटने के संकेत स्पष्ट होते जा रहे हैं। यह पीढ़ी युग के अंत को देख सकती है।

“इसलिए जागते रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि तुम्हारा
प्रभु किस समय आएगा।”
— मत्ती 24:42

अपने विश्वास की समीक्षा करें। सुनिश्चित करें कि आपका जीवन ईश्वर की इच्छा के अनुसार है, न कि इस दुनिया की क्षणभंगुर प्रवृत्तियों के अनुसार।

कौन वास्तव में नियंत्रण में है—ईश्वर या शैतान?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

निष्कर्ष

ईश्वर पृथ्वी के मालिक हैं और अंततः बुराई का न्याय करेंगे।

शैतान अस्थायी रूप से दुनिया की भ्रष्ट प्रणाली पर प्रभाव डालता है।

आपदाएँ इसलिए होती हैं क्योंकि पाप ने मानव और प्रकृति दोनों को भ्रष्ट कर दिया है।

पृथ्वी को पुनर्स्थापित किया जाएगा, लेकिन दुनिया की प्रणाली नष्ट हो जाएगी।

विश्वासियों को अस्थायी चीज़ों की बजाय अनन्त चीज़ों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

कौन वास्तव में नियंत्रण में है—ईश्वर या शैतान?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 9

“जो विजयी होगा, वह सब कुछ पाएगा, और मैं उसका ईश्वर बनूँगा
और वह मेरा पुत्र होगा।”
— प्रकाशितवाक्य 21:7

ईश्वर आपको आशीर्वाद दें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp